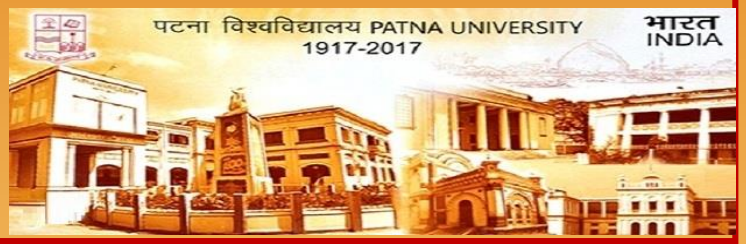

पटना विश्वविद्यालय

Patna University

Estd. 1917

Patna University In News (01.10.2022)

पीयू का स्थापना दिवस आज 66 स्टूडेंट्स को मिलेगा मेडल

संवाददाता, पटना

पटना यूनिवर्सिटी (पीयू) एक अक्तूबर 2022 को 106 साल का हो जायेगा. पीयू का स्थापना दिवस शनिवार को धूमधाम से मनाया जायेगा. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य के शिक्षा मंत्री डॉ चंद्रशेखर होंगे. साथ में शिक्षा विभाग के सचिव असंगबा चुबा आओ मौजूद रहेंगे. इस मौके पर सत्र 2021 और 2022 में पास आउट यूजी के अलग-अलग विषयों के टॉपर्स को सम्मानित किया जायेगा. कार्यक्रम 11:15 बजे शुरू हो जायेगा. अतिथियों के स्वागत के बाद सत्र 2021 और 22 के 66 टॉपर्स को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया जायेगा. गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले 66 स्टूडेंट्स में 41 लड़कियां शामिल हैं. सम्मान समारोह के बाद अतिथियों का भाषण होगा. मौके पर कुलपति प्रो गिरीश कुमार चौधरी, प्रतिकुलपति प्रो अजय कुमार सिंह, कुलसचिव कर्नल कामेश कुमार, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो अनिल कुमार के साथ सभी डिपार्टमेंट के शिक्षक व अधिकारी मौजूद रहेंगे.

1917 में हुई थी स्थापना : बिहार का 105 साल पुराना पटना यूनिवर्सिटी और भारत के सात पुराने यूनिवर्सिटी में से एक पटना यूनिवर्सिटी है. यूनिवर्सिटी की वर्तमान स्थिति कई कारणों से ठीक नहीं है. उच्च शिक्षा को लेकर लगातार पीयू की स्थिति खराब होती गयी. वर्ष 1917 में जब इसकी स्थापना हुई थी, तब यह नेपाल, बिहार और उड़ीसा इन तीनों क्षेत्रों का अकेला विश्वविद्यालय था.

प्रभात खबर
Sat, 01 October 2022
https://epaper.prabhatkhabar.com

दैनिक भास्कर

पटना विवि 106 साल का हुआ, समारोह आज

सिटी रिपोर्टर | पटना

पटना विश्वविद्यालय 106 साल का हो गया। एक अक्टूबर 1917 में पटना विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। ऐतिहासिक विश्वविद्यालय के गौरवशाली इतिहास के रंग में रंगा दिख रहा है। स्थापना के समय सर माइकल सैडलर की अध्यक्षता में कलकत्ता विश्वविद्यालय आयोग की नियुक्ति की गई थी। इसमें आशुतोष मुखर्जी और डॉ. जियाउद्दीन अहमद दो के पहले कुलपति जेनरल जी जेनिंग्स थे। स्थापना के साथ विश्वविद्यालय में 382 छात्रों की संख्या था और इसमें 33 शिक्षक थे। सिनेट की अनुमति से मार्च 1919 ई से अंग्रेजी, इतिहास, अर्थशास्त्र, गणित, भौतिकी और रसायन में एमए और एमएससी की पढ़ाई होने लगी। साल 1904 के विश्वविद्यालय अधिनियम में पूर्णकालिक कुलपति की व्यवस्था नहीं थी। पहली बार 1917 में जेनरल जी जेनिंग्स को अवैतनिक कुलपति के रूप

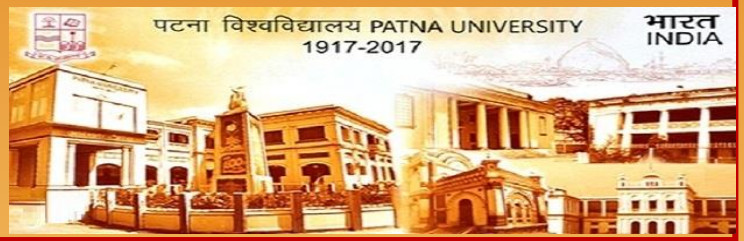

Patna University In News (01.10.2022)

दैनिक जागरण

106 साल पुरानी पटना यूनिवर्सिटी को नहीं मिला केंद्रीय वि. का दर्जा

जास, पटना : देश का सातवां सबसे पुराना पटना विश्वविद्यालय एक अक्टूबर 2022 को 105 वर्ष पूरा कर 106वें वर्ष में प्रवेश कर जाएगा। एक अक्टूबर 1917 को पटना विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी। इस बीच केंद्र में कितनी सरकारें आईं और गईं लेकिन किसी ने इसे केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा नहीं दिया, जबकि अनुग्रह नारायण सिंह, श्रीकृष्ण सिंह, सर गणेश दत्त से लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, लालू प्रसाद और भाजपा के वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा तक यहां के छात्र रह चुके हैं। विश्वविद्यालय के शताब्दी दिवस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हो चुके हैं।

1912 में पटना में एक अलग विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए मांग उठने लगी थी। भारत सरकार (उस समय अंग्रेजों की सरकार थी) ने बिहार और उड़ीसा के लिए एक अलग विश्वविद्यालय की योजना तैयार करने के लिए नाथन कमेटी गठित की। इसमें बिहार, उड़ीसा और बंगाल के बड़े-बड़े शिक्षाविद् शामिल थे। सबने एक आवासीय शिक्षण संस्थान खोलने का प्रस्ताव दिया और सितंबर 1916 में विधेयक पेश किया गया।